A–0280

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY-508

MA Jyotish (MAJY)

(ग्रहण, वेध-यन्त्र तथा गोल परिचय-02)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भारतीय वेध परम्परा में सवाई जयसिंह के योगदान पर प्रकाश डालिए।

2. याम्योत्तरीयचाप यन्त्र का परिचय देते हुए उसके महत्व को बताइए।

3. सूर्यग्रहण के सम्भाव्यता पर प्रकाश डालिए।

4. समय सूचक प्राचीन यन्त्रों का वर्णन कीजिए।

5. दिक्साधन में प्रयुक्त प्राचीन यन्त्रों का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :— खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ग्रहस्थिति ज्ञान में गोल यन्त्र की भूमिका का विवेचन कीजिए।

2. गोल केन्द्र का परिचय देते हुए ग्रहकक्षा का वर्णन कीजिए।

3. चन्द्रग्रहण एवं सूर्य ग्रहण में स्पर्श एवं मोक्ष की दिशाओं को उदाहरण पूर्वक बताइए।

4. प्रत्येक पूर्णिमा में चन्द्रग्रहण क्यों नहीं होता ? इसके कारणों की विवेचना कीजिए।

5. क्षेत्र प्रदर्शन पूर्वक नाड़ी एवं क्रान्ति वृत्त का परिचय दीजिए।

6. कुज्या × चरत्या ÷ द्युज्या = ? हल पूर्वक प्रदत्त अवयवों का परिचय दीजिए।

7. क्षेत्र प्रदर्शन पूर्वक लग्न, एवं वित्रिभ लग्न का परिचय दीजिए।

8. मध्यमपरिधि एवं स्पष्ट परिधि में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

****